भूमि सीमा विवाद : राजस्व की सैकड़ों एकड़ भूमि को वन विभाग ने घोषित किया वन खंड, बेघर हो जाएंगे अन्नदाता

मामला गोपद बनास तहसील अंतर्गत ग्राम हड़बड़ो बघड़ा का, राजस्व और वन विभाग की लापरवाही का दंश झेल रहे दशकों से बसे 40 किसानों के सैकड़ों परिवार

नवभारत न्यूज

सीधी 9 अक्टूबर। राजस्व की सैकड़ों एकड़ भूमि को वन विभाग ने वन खंड घोषित कर दिया। ऐसे में अन्नदाता बेघर हो जायेंगे। मामला गोपद बनास तहसील अंतर्गत ग्राम हड़बड़ो बघड़ा का सामने आया है। राजस्व और वन विभाग की लापरवाही का दंश दशकों से बसे 40 किसानों के सैकड़ों परिवार झेल रहे हैं।

जिला मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर स्थित हड़बड़ो बघड़ा में राजस्व और वन विभाग की लापरवाही के चलते 40 किसानों के 400 लोगों की गांव से हटने की नौबत आ गई है। दरअसल गांव के किसानों की राजस्व भूमि को वन विभाग अपनी भूमि मान रहा है। इसी के चलते वन विभाग द्वारा किसानों के कब्जे की भूमि में नाली खुदवा कर अपने कब्जे में लिया जा रहा है। मामले की शिकायत प्रभावित किसानों ने राजस्व और वन विभाग के अफसरों से की है। शिकायत सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों से केवल आश्वासन मिला है। यहां के प्रभावित किसानों का आरोप है कि देश की आजादी के बाद से जमीन में कब्जा ही नहीं है बल्कि पूरे राजस्व रिकार्ड में भी किसानों का नाम है। इसके बाद भी वन विभाग उनकी भूमि में जबरन कब्जा कर

रहा है और इस पूरे मामले में जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे हुये हैं। किसानों का कहना है कि देश की आजादी के बाद से राजस्व विभाग के सभी दस्तावेज उनके पास मौजूद हैं जिसे वन विभाग मानने को तैयार नहीं है। दरअसल हड़बड़ो बघड़ा गांव के संबंधित किसानों को आजादी के बाद 131 एकड़ 76 ढिस्मिल भूमि का पट्टा दिया गया था। राजस्व रिकार्ड में भी संबंधित किसानों का नाम दर्ज है।

बताया गया है कि वर्ष 1948 में पवाईदार के पट्टे को मानकर तहसीलदार ने अंतिम मोहर लगा दी थी। अब तक किसान जमीन का लगान राजस्व देते आ रहे हैं। बावजूद इसके वन विभाग की दखलांदाजी से किसानों की मुसीबतें बढ़ गई हैं। किसानों द्वारा कलेक्टर एवं विभाग के अधिकारियों से मिलकर गुहार लगाई गई है, लेकिन समस्या के समाधान की बजाय किसानों को सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है। ऐसे में प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति किसानों की नाराजगी बढ़ती जा रही है। किसानों ने बताया कि उक्त जमीन पर वह देश की आजादी के बाद से कब्जा करने के साथ ही लगान भी देते आ रहे हैं। अब वन विभाग उनकी राजस्व भूमि को छीनकर वृक्षारोपण करने की तैयारी में है। दरअसल राजस्व और वन विभाग की लापरवाही से हड़बड़ो बघड़ा गांव की सीमा बंटवारा आजादी के बाद से अब तक तय नहीं हो पाई है इसी वजह से वन विभाग इसे अपनी बता रहा है।

कलेक्टर, डीएफओ और एसडीएम से किसानों ने लगाई न्याय की गुहार

ग्राम हड़बड़ो बघड़ा के प्रभावित किसानों द्वारा अपनी पुस्तैनी भूमि पर वन विभाग द्वारा नाली खुदवा देने की फरियादी कलेक्टर, डीएफओ, एसडीएम को आवेदन देकर लगाई गई है। फिर भी अभी तक वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई सुनिश्चित ना कराने से किसानों में काफी परेशानियां बनी हुई हैं। किसानों का कहना है कि उनके पक्ष में सारे राजस्व रिकार्ड मौजूद हैं फिर भी मनमानी तौर पर वन विभाग उनकी भूमि को अपना बताकर उसमें नाली खुदवा कर उनका निस्तार एवं कब्जा प्रभावित किया जा रहा है।

वन विभाग ने जबरन कब्जा कर खोद दी नाली

वन विभाग द्वारा जेसीबी मशीन लगाकर किसानों की भूमि पर जबरन खोदाई कराकर उसे अपना बताया जा रहा है। प्रभावित किसानों का कहना है कि वन विभाग द्वारा गहरी नाली बना देने से उसके अंदर उनकी पुस्तैनी भूमि आ चुकी है। वन विभाग द्वारा यह प्रयास कर रहा है कि किसानों का कब्जा एवं निस्तार संबंधित भूमि पर पूरी तरह से बंद कर दिया जाय। यह स्थिति निर्मित होने के बाद से ही किसान आवेदन लेकर बड़े अधिकारियों के पास न्याय की गुहार लगा रहे हैं।

किसानों की जुबानी, वन विभाग की जोर जबरदस्ती की कहानी

देश की आजादी के पूर्व उक्त भूमि पवाईदारों द्वारा संबंधित किसानों को दी गई थी। यह भूमि 131 एकड़ 76 ढिस्मिल थी। देश को आजादी मिलने के बाद तहसीलदार द्वारा संबंधित किसानों का नाम पट्टेदार के रूप में दर्ज कर दिया गया था। अब वन विभाग उक्त भूमि को अपना बताकर नाली की खुदाई कराकर किसानों को परेशान किया जा रहा है।

आर .बी .सिंह, किसान हड़बड़ो

वन विभाग वाले आकर नाली खोद दिये जिसकी शिकायत लगातार कर रहे हैं, फिर भी कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। वन विभाग द्वारा बड़े क्षेत्र में जेसीबी से नाली खोद देने से समस्या गंभीर हो गई है।

आनंद तिवारी, किसान हड़बड़ो

हड़बड़ो में जिस भूमि पर वन विभाग द्वारा नाली खोदकर लोगों के समक्ष परेशानी खड़ी की गई है वह भूमि रिकार्ड में राजस्व विभाग के अंतर्गत देश की आजादी के बाद से दर्ज हो रही है। फिर भी वन विभाग द्वारा उक्त भूमि को अपना बताया जा रहा है।

अशोक तिवारी, किसान हड़बड़ो

देश को आजादी मिलने से पूर्व से किसानों का संबंधित भूमि में कब्जा चला आ रहा है। देश को आजादी मिलने के बाद पूरे राजस्व रिकार्ड में भी किसानों का नाम दर्ज है। अब वन विभाग जबरन कब्जा करने में उतारू है।

रामजी कुशवाहा, किसान हड़बड़ो

विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविरों का होगा आयोजन

सीधी 9 अक्टूबर। कार्यपालन अभियंता मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी लिमिटेड सीधी द्वारा आदेश जारी कर समस्त वितरण केन्द्रों के सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता एवं प्रभारी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि निर्धारित तिथियों पर विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविरों का आयोजन वितरण केन्द्र कार्यालय स्तर पर किया जाए। इन शिविरों में विद्युत उपभोक्ताओं से प्राप्त बिल संबंधी शिकायतों एवं अन्य समस्याओं की सुनवाई कर उनका त्वरित निराकरण किया जाएगा। शिविर में प्राप्त समस्त शिकायतों को शिकायत पंजी में दर्ज कर, की गई कार्यवाही की जानकारी उसी दिन सायं 5 बजे तक राजस्व कक्ष को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यपालन अभियंता ने निर्देशित किया है कि प्रत्येक शिविर में संबंधित वितरण केन्द्र के सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता एवं प्रभारी अधिकारी कम से कम दो घंटे अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें तथा संबंधित कार्यालय सहायक पूर्ण अवधि तक शिविर स्थल पर मौजूद रहें। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक मुख्यालय का लाइनमैन अपने क्षेत्र के उपभोक्ताओं को शिविर की तिथि एवं स्थान की जानकारी दें, ताकि उपभोक्ता अपनी विद्युत संबंधी शिकायतें शिविर में दर्ज कराकर उनका समाधान प्राप्त कर सकें।

सुशांत ने राज्य स्तरीय वुशु स्पर्धा में जीता कांस्य पदक

नवभारत न्यूज

सीधी 9 अक्टूबर। ग्वालियर जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुरार में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 4 से 8 अक्टूबर के मध्य आयोजित 69वीं राज्य स्तरीय शालेय वुशु प्रतियोगिता में गणेश स्कूल ऑफ एक्सीलेंस अमरपुर चुरहट के होनहार छात्र सुशांत शुक्ला ने अंडर-17 बालक वर्ग में रीवा संभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक अर्जित कर जिले एवं विद्यालय को गौरवान्वित किया है।

इस उपलब्धि पर विद्यालय प्राचार्य अंकित सिंह चौहान ने छात्र सुशांत शुक्ला एवं उनके कोच विद्यालय के पीटीआई विक्रम सिंह चौहान को शानदार उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि छात्र ने यह साबित कर दिया है कि लगन और अनुशासन से कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं होता। इस अवसर पर उपप्राचार्या संगीता गुप्ता, के.एस.राजा, राहुल मिश्र, अंकित सिंह चौहान, निशांत तिवारी, आशीष सिंह, एम.एन.शुक्ल, के.के.मिश्र, राजपाल सिंह, शुभम द्विवेदी, सोनाली तिवारी, आस्था तिवारी, रूचि शुक्ला, नेहा सिंह, आनंद शंकर द्विवेदी सहित विद्यालय के समस्त शिक्षकों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मद्यनिषेध सप्ताह के तहत सीधी में नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम आयोजित

नवभारत न्यूज

सीधी 9 अक्टूबर। उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग सीधी ने जानकारी देकर बताया कि महात्मा गांधी की 156वीं जयंती के अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2025 तक मद्यनिषेध सप्ताह का आयोजन किया गया।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में बढ़ते मद्यपान एवं नशीली दवाओं के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जनजागृति लाना एवं युवाओं, विद्यार्थियों तथा आमजन में नशामुक्ति की चेतना का प्रसार करना है। नशे के दुष्परिणामों से विशेष रूप से महिलाएं अधिक प्रभावित होती हैं। इस क्रम में शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी एवं शासकीय मॉडल हाईस्कूल सीधी की छात्राओं एवं स्टाफ द्वारा 8 अक्टूबर 2025 को मद्यनिषेध सप्ताह के तहत नशामुक्ति की शपथ एवं ई-प्लेज पोर्टल के माध्यम से ई-शपथ ली गई। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ कलाकार सुरेन्द्र कुमार शुक्ला ने नशामुक्ति संदेश पर आधारित गीत एवं संगीत प्रस्तुत कर उपस्थितजन को मंत्रमुग्ध किया। उप संचालक सामाजिक न्याय धनंजय मिश्रा ने जिले के सभी विभाग प्रमुखों, उनके अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों, सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों तथा विद्यालयों के प्राचार्यों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, ग्राम पंचायतों के सरपंच-सचिव, ग्राम रोजगार सहायकों, एनजीओ तथा युवा वर्ग से नशामुक्ति की शपथ लेने एवं ई-प्लेज पोर्टल के माध्यम से ई-शपथ ग्रहण करने की अपील की है।

रामपुर नैकिन में एलिम्को ने सहायक उपकरण चिह्नांकन शिविर का किया आयोजन

नवभारत न्यूज

रामपुर नैकिन 9 अक्टूबर। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन एवं अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा के मार्गदर्शन में गुरुवार को जनपद पंचायत रामपुर नैकिन सभागार में वयोश्री योजना अंतर्गत वृद्धजनों तथा एडिप योजना अंतर्गत दिव्यांगजनों हेतु एलिम्को जबलपुर द्वारा सहायक उपकरण चिह्नांकन शिविर का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद रामपुर नैकिन के अध्यक्ष रामकुमार साहू ने की। इस अवसर पर गजेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष ऋषिराज मिश्रा, जनपद सदस्य बसंत मिश्रा, शेखर साकेत एवं अरुण शेखर सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। शिविर का संचालन जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के सीईओ राजीव तिवारी के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में समग्र अधिकारी ज्ञानेंद्र त्रिपाठी एवं बीपीओ पशुपति नाथ द्विवेदी का विशेष सहयोग रहा। शिविर में कुल 110 लाभार्थियों का चिह्नांकन किया गया, जिसमें वयोश्री योजना अंतर्गत 52 वृद्धजन तथा एडिप योजना अंतर्गत 58 दिव्यांगजन शामिल रहे। यह शिविर शासन की वयोश्री एवं एडिप योजनाओं के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में अग्रसर करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

कानून व्यवस्था को लेकर शिवसेना ने एएसपी को सौंपा पत्र

नवभारत न्यूज

सीधी 9 अक्टूबर। जिले में लगातार बढ़ रही चोरी, लूटपाट और हत्या जैसी घटनाओं के खिलाफ शिवसेना ने सीधी पुलिस प्रशासन से कठोर कार्रवाई की मांग की है। शिवसेना ने पुलिस महानिरीक्षक रीवा संभाग और पुलिस अधीक्षक सीधी के नाम एडिशनल एसपी को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि जिले में अपराधों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है और पुलिस कार्रवाई में गंभीरता का अभाव देखा जा रहा है।

शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पाण्डेय ने कहा पुलिस लाइन में महिला कांस्टेबल की खुलेआम निर्मम हत्या, टिकरी चौकी अंतर्गत धुत्रे-बुत्रे के जंगल में व्यापारी के साथ लूट, खाम्ह घाटी क्षेत्र में राहगीर से लूट तथा वार्ड क्रमांक 21 मड़रिया, लालता चौक, बेलबाग सहित सैकड़ों से अधिक जिले के कई स्थानों पर हुई चोरियों का अब तक खुलासा नहीं हो सका है। इन घटनाओं ने जिले की कानून व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। विवेक पाण्डेय ने कहा सीसीटीवी कैमरे लगे हैं लेकिन उनका उपयोग प्रभावी ढंग से नहीं किया जा रहा।

सीधी में लगातार बढ़ती चोरी, लूट और हत्या की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि अपराधी बेखौफ हैं और पुलिस कार्रवाई में गंभीरता का अभाव है। हम प्रशासन से अपेक्षा करते हैं कि हर पीड़ित को न्याय मिले और जिले में सुरक्षा का माहौल पुन: स्थापित किया जाए। यदि शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए गए तो शिवसेना जनआंदोलन का मार्ग अपनाने को बाध्य होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान शिवसेना प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पाण्डेय, संभाग संयोजक संत कुमार केवट, जिला अध्यक्ष बेनाम सिंह बघेल भोले, नगर अध्यक्ष जैनेंद्र सिंह चौहान मुन्ना, नगर सहसंयोजक राजन मिश्रा, नगर मीडिया प्रभारी साजन कुमार, वार्ड 17 प्रमुख शिवम चिकवा तथा पीड़ित रज्जन केवट सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सौंपे गए ज्ञापन में प्रमुख मांगे

सौंपे गये ज्ञापन में कहा गया है कि जिले में हुई सभी हालिया चोरी, लूट और हत्या के मामलों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। पेंडिंग मामलों की गंभीरता से समीक्षा कर दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की जाए। थाना प्रभारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए जाएं। मुख्य चौक-चौराहों पर रात्रि गश्त और सीसीटीवी निगरानी बढ़ाई जाए।

कौशल विकास यात्रा का भव्य आयोजन, एआई साक्षरता मिशन पर विशेष जोर

नवभारत न्यूज

सीधी 9 अक्टूबर। कौशल विकास यात्रा एवं पुस्तक यात्रा 2025 के तीसरे दिन सीधी जिले में कौशल रथ का भव्य स्वागत किया गया। यह यात्रा गुरुकुल स्कूल, गवर्नमेंट स्कूल क्रमांक 02 तथा मुकुंद पब्लिक स्कूल बहरी पहुंची, जहां विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस दौरान पूर्व आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

रीवा से आए क्षेत्रीय प्रबंधक प्रवीण तिवारी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए एआई लिटरेसी मिशन और भविष्य की तकनीकों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एआईसेक्ट द्वारा शुरू की गई यह यात्रा विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एआर/वीआर जैसी आधुनिक तकनीकों से जोड़ने का प्रयास है। उनके साथ अनिल कुमार और दीपक पाठक भी उपस्थित रहे। यात्रा के दौरान नि:शुल्क एआई सेमिनार, करियर काउंसलिंग सत्र और तकनीकी प्रदर्शन आयोजित किए गए। इसके बाद कौशल रथ ने एसकेपी सेंटर सीधी दिनेश कुशवाहा और नंदन इंस्टीट्यूट का दौरा किया। उसके बाद पूजा, रवि जायसवाल एसकेपी के द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया और भी एसकेपी के द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। यह यात्रा 6 अक्टूबर से शुरू होकर 20 राज्यों के 300 जिलों के 500 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों तक पहुंचेगी।

आईसेक्ट-एनएसडीसी साझेदारी के तहत संचालित 250 से अधिक रोजगारोन्मुख कोर्सों की जानकारी भी दी गई। सीधी प्रवास के बाद यात्रा सिंगरौली के लिए रवाना हुई।

जिले में कानून व्यवस्था ध्वस्त, नहीं हुआ सुधार तो एसपी कार्यालय का होगा घेराव : ज्ञान

कांग्रेस ने पत्रकार वार्ता कर सीधी में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर उठाया सवाल

नवभारत न्यूज

सीधी 9 अक्टूबर, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने जिले में लगातार बिगड़ती कानून व्यवस्था और तेजी से फैलते नशे के कारोबार को लेकर कांग्रेस कार्यालय जवाहर कांग्रेस भवन में पत्रकार वार्ता आयोजित की।

पत्रकार वार्ता में ज्ञान सिंह ने कहा कि जिले में अपराध और नशे का जाल दिन-प्रतिदिन गहराता जा रहा है, जिससे युवा पीढ़ी बर्बादी की ओर बढ़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन इस पूरे मामले में पूरी तरह निष्क्रिय बना हुआ है, जिसके चलते असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद हैं आए दिन हत्या लूट चोरी जैसी वारदातें हो रही हैं अपराधी पुलिस की पकड़ से दूर है जिले में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है।जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने एक माह के भीतर कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और नशे के अवैध कारोबार पर रोक लगाने के ठोस कदम नहीं उठाए, तो कांग्रेस पार्टी पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव करेगी।उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता की सुरक्षा और युवाओं के भविष्य के सवाल पर किसी भी हालत में चुप नहीं बैठेगी। पार्टी जनहित में बड़ा आंदोलन छेड़ने को तैयार है। पत्रकार वार्ता के दौरान प्रवक्ता पंकज सिंह, महामंत्री ओंकार सिंह कर्चुली वरिष्ठ पार्षद हल्के सोनी भी उपस्थित रहे।

सोन नदी का भंवरसेन पुल बना अघोषित गौशाला

गोबर से दो पहिया वाहनों में बढ़ा फिसलन, हादसों का बढ़ रहा खतरा

नवभारत न्यूज

रामपुर नैकिन 9 अक्टूबर। जिले के रामपुर नैकिन क्षेत्र में स्थित भंवरसेन पुल अघोषित रूप से गौशाला बनी हुई है। यह पुल रामपुर से खड्डी और हनुमानगढ़ को जोड़ती है। इन दिनों हादसों का केन्द्र यह पुल मवेशियों के बैठने के कारण बन गई है। पुल पर करीब दो दर्जन से अधिक गौवंशों का स्थायी बसेरा बन चुका है। मवेशियों की मौजूदगी और जगह-जगह फैला गोबर न केवल बदबू फैलाता है बल्कि राहगीरों के लिए खतरा भी बन गया है। यहां से दो पहिया वाहनों के निकलने पर फिसलन के चलते हादसे का अंदेशा बना रहता है।

बताया जाता है कि 34 गांवों के लोग इसी पुल से आवाजाही करते हैं और आए दिन यहां फिसलन के कारण बाइक सवार गिरकर घायल हो रहे हैं। ग्रामीण विनय पाण्डेय ने बताया कि इस पुल पर रोजाना 4 से 5 ट्रैक्टर गोबर फैला रहता है। कोई सफाई नहीं होती और न ही पीडब्ल्यूडी विभाग के कर्मचारी ध्यान देते हैं। कई बार दोपहिया वाहन चालक गोबर पर फिसलकर गिर चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक लापरवाही के कारण यह पुल अब सड़क नहीं बल्कि गौशाला जैसा दृश्य प्रस्तुत कर रहा है। वहीं ग्रामीण तेज बहादुर ने बताया कि शहर चार-पांच गांव के बीच एक बड़ी गौशाला स्वीकृत है, लेकिन वे सिर्फ कागजों पर खुली हैं। वास्तविकता में मवेशी सड़कों पर घूमते रहते हैं और शाम ढलते ही पुल पर शरण ले लेते हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि प्रशासन जल्द कार्रवाई करे ताकि हादसों को रोका जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द सफाई और मवेशियों की व्यवस्था नहीं की गई, तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। भंवरसेन पुल की यह स्थिति न केवल प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करती है बल्कि क्षेत्र के 34 गांवों की सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है।

इनका कहना है

क्षेत्र में आवारा मवेशियों की संख्या बढ़ी है। हम सभी नागरिकों से अपील करते हैं कि अपने मवेशियों की सुरक्षा स्वयं करें और उन्हें सड़कों पर खुला न छोड़ें। अगर कोई व्यक्ति मवेशियों को सड़क पर घूमने देता पाया गया तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

शैलेश द्विवेदी, एसडीएम चुरहट